नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिएस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक २०३ वि.सं. २०८२ फागुन ०४ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४९) [Monday 16 February 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

विस्थापन ओ अतिक्रमणबीचके दबाबमे वन संरक्षण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ फागुन । कैलालीके चुरे गाउँपालिका-४ पनेरुगडास्थित बन्वक बीच भागमे विश्नादेवी महराके परिवार पाँच बरससे पालटर आश्रय लेके बैठ्टी आइल बा । विसं २०७७ मे चुरे गाउँपालिका-४ के गौजनामे आइएल पहिरोसे ओहकान १६ रोपनी जमिनसहित घर ओ खेट्वा पुहाइलपाछे विश्नादेवीके परिवार विस्थापित हुइ परल ।

विस्थापित हुइलपाछे ओहकान परिवार बन्वामे आके बैठल । वहाँसे वन कार्यालय हटाइलपाछे कुछ समय गौशालामे बैठे परल ओ वहाँसे फेन हटाइलपाछे फेनसे यहैं पनेरुगडाके बन्वामे आके बैठ्ना बाध्य हुइल विश्नादेवी बटैली । 'घर नैहुइलपाछे बन्वामे बैठे पर्ना बाध्यता आइल,' उहाँ कहली ।

छाइ बरवार होसेकल ओरसे बन्वामे बैठ्ना असुरक्षित महसुस हुइलपाछे उहाँ छाइहे आफन्त कहाँ राखके पह्रैटी रहल बटी । दुई छावाकसँगे बन्वामे बैठ्टी रहल विश्नादेवीके गोसिया रोजगारीके लाग भारतमे बटै । अपने फेन मजदूरी कैके परिवारके जीविकोपार्जन कैटी आइल उहाँ बटैली ।

भाडामे बैठ्ना क्षमता नैरहल ओ बन्वामे बैठेबर बच्चनके भविष्य जोखिममे पर्ना चिन्ता उहाँहि रहल बा । 'यहाँ बाघ ओ जंगली जनावरके डर बा,' उहाँ कहली, 'सामुदायिक वन समूहसे यहाँसे अन्टे जैन फेन कहठ् । रहर किहीहे रही ओ ज्यान जोखिममे पारके बैठ्ना, मने जैना ठाउँ कहाँरो नैहो । बरु मारिट, कहाँरो नैजैबु ।'

विश्नादेवी जस्टे कमला रोका मगरके परिवार फेन २०७७ सालसे इहे पनेरुगडाके बन्वामे पालमुनी जीवन बिटैरहल बटै । हावाहुरी चलेबर रुख्वा ढलठ् कि कना त्रास रातके जंगली जनावर अइठै कि कना ज्यानके डरबीच दिन कट्ना उहाँके दैनिकी बनल बा । 'उठके जाइ फेन कहठै,' कमला कहली, 'मने जैना ठाउँ नैहो । मजा घरमे बैठ्ना मन हमार फेन बा, मने कहाँ जैना हो ।'

इहे क्षेत्रमे चुरे गाउँपालिका-६ के डबल बहादुर कार्की फेन पालटर बैठ्टी आइल बटै । ओहकान अनुसार सुरुमे यहाँ ढेर विस्थापित परिवार रहिट । 'कतिपय रोजगारीके लाग भारत गैलै, कोइ पहिरो गैल अपने ठाउँओर जाके बैठ्लै,' उहाँ कहलै, 'हमार टे कुछ फेन नैहो कहाँ जैना हो यहैं बैठल बटी ।' पालिकासे हाल यहैं बैठ्ना कहलेसे फेन सुरक्षित ओ स्थायी बसोबासके कौनो सुनिश्चितता नैरहल उहाँके गुनासो रहल बा ।

पनेरुगडा क्षेत्रमे किल अइसीन २५ से ढेर परिवार पाल टाँगके बैठल बटै । चुरे गाउँपालिका-४ के वडाध्यक्ष चन्द्रबहादुर लामिछाने मगरके अनुसार २०७७ सालके बारह्-पहिरो ओ अन्य दैवी प्रकोपके कारण विस्थापित ११६ परिवार पनेरुगडा, टाँकगडा, बालुवागडा चुरे-१ के खामाहाले ओ खानीडाँडालगायत क्षेत्रमे अस्थायी रूपमे बसोबास कैटी आइल बटै । सुरुमे घरबारबिहीन कहटी करिब सात सय परिवार वन क्षेत्रमे बैठल डेखगैलेसे फेन गाउँपालिकाके छानविनपाछे ११६ परिवार किल पूर्ण रूपमे घरबारविहीन पाइल रहिट ।

वन कार्यालयसे २०७९ सालमे अतिक्रमण कहटी ढेर जनहनहे हटैलेसे फेन वास्तविक पीडित भर आभिन बन्वामे बैठ्ना बाध्य बटै । वडाध्यक्ष लामिछाने मगर कहलै, 'विस्थापितहुक्रनके समस्या गम्भीर बा । मने स्थानीय तहसँग ओइनहे तत्काल व्यवस्थापन कैना अपने जमिन नैहो । वन कार्यालयसे हटाइ खोजठ्, मने ओइनके जैना ठाउँ नैहो । इहे कारण उहाँहुक्रे जोखिमपूर्ण अवस्थामे बैठ्ना बाध्य बटै ।'

यहाँ बैठ्ना बालबालिकाहुक्रनके विद्यालय जैना फेन चुनौतीपूर्ण बा । यहाँके बालबालिका गौरीगंगा नगरपालिका-३ मे रहल शिव नमुना आधारभूत विद्यालयमे पह्रे जैठै । दीपेन्द्र महरा कक्षा ६ मे पह्रठै । दीपेन्द्र कहलै, 'वर्षाके समयमे बारह् आइलपाछे विद्यालय नैजैठी ।' रमेश बहादुर महरा फेन कक्षा ७ मे पह्रठै । सकारे समयमे स्कुल लागेबर अभिभावकहुक्रे आधा डगरासम पुगाइ जाइ परल उहाँके कहाइ रहल बा ।

बह्टी वन अतिक्रमण

पहिरो, बारह् ओ अन्य दैवी प्रकोपसे विस्थापित यी परिवारके लाग बन्वा अतिक्रमण कौनो फेन हालतमे रोजाइ नैहो, बाध्यता हो मने वन अतिक्रमणके समस्या अटरेमे सीमित नैहो । विस्थापनके नाउँमे किल नैहो, टमान बहानामे कैलाली ओ कञ्चनपुरके वन क्षेत्र अतिक्रमणके चपेटामे परटी रहल बावै । कैलालीके बसन्ता कोरिडोर, अत्तरिया, चिसापानी ओ कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज आँजरपाँजर क्षेत्र पाछेक बरसमे तीव्र अतिक्रमणके चपेटामे परल उदाहरण हो ।

महालेखा परीक्षकके ६२औं वार्षिक प्रतिवेदन (२०८२) अनुसार देशभर करिब एक लाख चार हजार हेक्टर वन क्षेत्र अतिक्रमणमे परल बा । इ मध्ये ३८ प्रतिशतसे ढेर अतिक्रमण कैलाली जिल्लामे किल डेखजाइठ् । वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण विभाग (२०१५) के तथ्याक्तअनुसार कैलालीके कुल क्षेत्रफल तीन लाख २८ हजार ७१६ हेक्टर रहल बा । इ मध्ये झन्डै दुई तिहाई अर्थात् दुई लाख ५७३ हेक्टर वन क्षेत्रसे ओगटले बा । मने पाछेक आठ बरसमे किल करिब १७ हजार हेक्टर वनक्षेत्र अतिक्रमणमे परल सरकारी तथ्यांकसे डेखाइठ् ।

'हाम्रो वन' प्रतिवेदन (२०७५) अनुसार कैलालीमे २१ हजार ४०४ हेक्टर वनक्षेत्र अतिक्रमणमे परल रहे । हाल महालेखा परीक्षकके पाछ्क प्रतिवेदनसे इ आँकडा बह्के *(बाँकी ३ पेजमे)*

कैलाली-१ के लाग जनकराज चौधरीके संकल्पपत्र सार्वजनिक

पहुरा समाचारदाता

टीकापुर, ३ फागुन । नेपाली काँग्रेस के कैलाली क्षेत्र नम्बर १ के प्रतिनिधि सभा सदस्य उम्मेद्वार जनकराज चौधरीसे अपन विस्तृत संकल्प पत्र सार्वजनिक करले बटै ।

फागुन २१ गते हुइ जैटी रहल निर्वाचनहे लक्षित करटि आयोजित एक समारोहके बीच चौधरीसे "समुन्नत, समावेशी ओ विकासोन्मुख कैलाली क्षेत्र नं. १" निर्माण कैना दीर्घकालीन दृष्टिसहित प्रतिबद्धता सार्वजनिक करल हुइट ।

चौधरीसे सार्वजनिक करल संकल्प पत्रमे शिक्षा, कृषि, युवा तथा रोजगारी, पर्यटन, थारू समुदायके पहिचान, स्वास्थ्य, पूर्वाधार, वातावरण संरक्षण ओ सुशासनलगायतके विषयहे प्राथमिकतामे राखल बा । उहा "विकास सक्कुहुन्के लाग, अवसर सक्कुहुन के लाग" कना मूल मन्त्रके साथ समावेशी, आत्मनिर्भर ओ समृद्ध निर्वाचन क्षेत्र निर्माण कैना लक्ष्य आगे सारल बाटै ।

"शिक्षा लोकतन्त्र ओ विकासके मूल आधार हो" कना नारासहित चौधरी सामुदायिक विद्यालयके गुणस्तर सुधार, दक्ष जनशक्ति विकास, डिजिटल कक्षा सञ्चालन तथा अंग्रेजी ओ सूचना प्रविधि शिक्षामे जोड डेना योजना प्रस्तुत कर्ले बटै ।

इ क्षेत्रमे रहल प्राविधिक शिक्षालयह स्तरवृद्धि कैना सिटिईभिटी अन्तर्गतके कार्यक्रम सुदृढ बनैना उहा बटै। ओस्टेक करके कृषि विधालय, प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन कलेज ओ टीकापुर पोलिटेक्निक इन्स्टिच्यूटसँग सहकार्य कर्के प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाहे रोजगारीसँग प्रत्यक्ष जोर्ना योजना बा ।

गरिब, थारू, दलित, महिला तथा सीमान्तकृत समुदायके विद्यार्थीके लाग 'सांसद छात्रवृत्ति कोष' स्थापना कैना तथा स्पष्ट कार्यविधि बनाके कार्यान्वयन कैना प्रतिबद्धता जनाइल बा ।

ओस्टेक, टीकापुर बहुमुखी क्याम्पस, वीरेन्द्र विद्या मन्दिर क्याम्पस ओ रघुनाथ बहुमुखी क्याम्पसके भौतिक पूर्वाधार, प्रयोगशाला ओ पुस्तकालय सुदृढीकरण कैना उल्लेख बा। प्रारम्भिक तहमे मातृभाषा (थारू भाषा) मे आधारित शिक्षा प्रवर्द्धन कैना योजना फे संकल्प पत्रमे समेटल बा ।

"कृषि अर्थ व्यवस्थाके मेरुदण्ड हो" कना अवधारणासहित चौधरीसे सिँचाइ विस्तार, कृषि यान्त्रिकीकरण ओ जलवायु अनुकूल खेती प्रणालीमे जोड डेहल बटै । विशेष करके रानी जमरा कुलरिया सिँचाइ आयोजनाके विस्तार तथा प्रभावकारी कार्यान्वयनहे प्राथमिकता डेना बा ।

धान, गहुँ, मकै, तरकारी, माछापालन ओ पशुपालनमे व्यवसायिक कृषि प्रवर्द्धन, संकलन केन्द्र ओ शीतभण्डार स्थापना, कृषि प्रशोधन उद्योग विस्तार तथा किसानहे सहुलियत ऋण ओ बिमा सुविधा सुनिश्चित कैना योजना आगे सारल बा ।

थारू समुदायके परम्परागत कृषि ज्ञानहे आधुनिक प्रविधिसँग जोर्ना, युवाहे कृषि उद्यमशीलताओर आकर्षित कैना ओ कृषि स्टार्टअपके लाग 'सिड मनी' उपलब्ध करैनाअ नीति लेना उल्लेख बा ।

टीकापुरमे स्थापना हुइल बा सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालय अन्तर्गतके कृषि शिक्षालयसँग सहकार्य कर्के किसान-शिक्षक-विद्यार्थी बीच सहकार्यात्मक कार्यक्रम सञ्चालन कैना चौधरी बटैले बटै। साथे केरा, च्याउ, डेरी ओ मत्स्यपालन जैसिन उच्च मूल्यके कृषि उत्पादनमे वृद्धि कैना नीति निर्माणके पहल कैना बा ।

"विदेश नाहि, गाउँमे अवसर" कना नारासहित चौधरीसे *(बाँकी २ पेजमे)*

एक सय २६ मतदाता शिक्षा स्वयम् सेवक खट्टी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ फागुन । कैलालीमे मतदाता शिक्षाके लाग १२६ जाने स्वयम् सेवक खट्ना हुइल बटै ।

निर्वाचन कार्यालयसे जिल्लाके १३ पालिकामे उ संख्यामे मतदाता शिक्षा स्वयम् सेवक खटाइ लागल हो । यहाँ १२६ वडा कार्यालय रहल बावै । प्रत्येक वडामे एक/एक जाने मतदाता शिक्षा स्वयम् सेवक खट्ना प्रदेश निर्वाचन कार्यालयके सूचना अधिकारी राजेश चौधरी जानकारी डेलै ।

मतदाता शिक्षा कार्यक्रमके लाग महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविका, सामाजिक परिचालक लगायतमे कार्यरत महिलाहे छनोट करल बा । छनोट हुइल स्वमय् सेवक लक्ष्य निर्धारण कैके आ-आपन वडामे मतदाता शिक्षा डेना जनाइल बा । उहाँहुक्रे मत सदर हुइना, बदर हुइना अवस्थाके बारेम जानकारी डेनाकसे साथे सहि तरिकासे मतदान करक लाग मतदाताहे सिखैना सूचना अधिकारी चौधरी बटैलै ।

मतदाताहे मतदाता शिक्षा डेहक लाग स्वयम् सेवकसे नमूना मतपत्र लेके कार्यस्थलमे खट्ना जनाइल बा । फागुन ३ से १७ गतेसम मतदाता शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन हुइना निर्वाचन कार्यालय जानकारी डेले बा ।

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

कैलाली-५ मे ढुंगानाके चुनावी दौड तीव्र, 'सोचलसे ढेर माया पैटी बटु'

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ फागुन । कैलाली क्षेत्र नम्बर ५ मे नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के ओरसे प्रतिनिधिसभा सदस्यके उम्मेदवार यज्ञ राज ढुंगाना चुनावी प्रचारप्रसारहे तीव्रता डेले बटै ।

घरदैलो अभियान, टोल-टोल भेटघाट तथा अन्तरक्रिया कार्यक्रममे व्यस्त रहल ढुंगाना अपने अपेक्षा करलसे ढेर समर्थन ओ सद्भाव पैटी रहल बटैले बटै ।

मतदाता भेटघाटके क्रममे सञ्चारकर्मीसँग बाट करटी उहाँ कहलै, "मै यहाँके सक्कु मतदाताहे व्यक्तिगत रूपमे नैचिन्ठु कना लागे । मने वर्षौंसे करल जनसेवाके काम यहाँके नागरिकसे लग्गेसे नियल्ले बटै । अब्बे गाउँ-बस्ती पुगेबेर सोचलसे ढेर माया पैटी रहल बटु । यिहे माया ओ स्नेह मोर जित्न आधार हो ।"

उहाँक अनुसार निर्वाचन क्षेत्रके टमान गाउँ, टोल ओ बस्तीमे पुगेबेर विकास, रोजगारी, शिक्षा ओ स्वास्थ्यके विषयमे नागरिकसे राखल सुझावहे अपने प्राथमिकताके साथ नोट करटी रहल बटै । "मै करे सेक्ना केल्ह वाचा करटी रहल बटु । जनताके सुझाव सुन्टी बटु । जा जनतासे कहठै, उहे मोर प्राथमिकता रहठ," उहाँ कहलै ।

ढुंगाना विशेष करके स्वास्थ्य ओ शिक्षाहे अपन मुख्य एजेन्डा बनाइल बटैले बटै । कैलाली-५ मे गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा पहुँच अभाव, विशेषज्ञ चिकित्सकके कमी तथा सामुदायिक विद्यालयके शैक्षिक गुणस्तर सुधार आवश्यक रहल उहाँक कहाई बा । "स्वास्थ्य ओ शिक्षा बलगर नैहुइटसम समग्र विकास सम्भव नैहो । स्थानीय तह ओ प्रदेशसँग समन्वय करके यी क्षेत्रमे ठोस पहल कैना प्रतिबद्धता व्यक्त करटु" उहाँ बटैलै ।

उहाँ युवाहे स्वरोजगारमुखी बनैना सीप विकास कार्यक्रम विस्तार, कृषि तथा साना उद्योग प्रवर्द्धन, सडक तथा खानेपानी पूर्वाधार सुधारहेफे प्राथमिकतामे धारल जानकारी डेलै । एमालेप्रतिके आकर्षण ओ अपन व्यक्तिगत कामके मूल्यांकनके आधारमे कैलाली-५ मे जित सुनिश्चित रहल दाबी उहाँ करलै ।

चुनावी मैदानमे टमान दलके उम्मेदवारबीच प्रतिस्पर्धा हुइटी रहल बेला ढुंगाना भर विकास ओ जनताके विश्वास अपन मुख्य आधार रहल उल्लेख करलै । "यी निर्वाचन केवल जित-हारके बाट नाही, आगामी पाँच वर्षके लाग विकासके मार्गचित्र तय कैना अवसर हो," उहाँ थप्लै ।

कैलाली-१ के लाग...

युवा लक्षित कार्यक्रम आगे सर्ले बटै । सिप विकास तथा उद्यमशीलता केन्द्र स्थापना कैना, 'पढि ओ कमाइ' कार्यक्रम सञ्चालन कर्के बारिस्टा, डिजिटल मार्केटिङ, इभेन्ट म्यानेजमेन्ट, ग्राफिक डिजाइन, आतिथ्य सेवा लगायतके तालिम सञ्चालन कैन योजना सार्वजनिक करल बा । युजिसी नेपालदसे टीकापुर बहुमुखी क्याम्पसमे स्थापना करल इन्क्युबेशन सेन्टरसँग सहकार्य विस्तार कैना उल्लेख बा ।

वैदेशिक रोजगारीसे लौटल युवाके लाग पुन:स्थापना कार्यक्रम, सार्वजनिक-निजी साझेदारीमार्फत रोजगारी सिर्जना, श्रमिकके सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चितता तथा प्रत्येक वर्ष सय जना युवाहे कृषि तथा उद्यमशीलता क्षेत्रमे 'सिड मनी' प्रदान कैना योजना फे समेटल बा ।

"अतिथि देव भव:" कना नारासहित चौधरी कैलाली क्षेत्र नं. १ हे पर्यटन सर्किटके रूपमे विकास कैना योजना आगे सारल बटै । टीकापुर पार्क, घोडाघोडी ताल, बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्ज ओ चिसापानी क्षेत्र जोर्ना पर्यटकीय मार्ग निर्माण कैना योजना बा ।

थारू सांस्कृतिक पर्यटन, होमस्टे प्रवर्द्धन, सांस्कृतिक एकाडेमी स्थापना तथा धार्मिक धरोहरके संरक्षणमे जोड डेना उल्लेख बा । पदमप्रकाशेश्वर ओ कैलाशेश्वर जस्ता धार्मिक स्थलके विकासमार्फत धार्मिक पर्यटन प्रवर्द्धन कैना योजना फे संकल्प पत्रमे समेटल बा ।

यहाँके चर्च, मदरसा, मन्दिर ओ गुम्बाके संरक्षण तथा धार्मिक सहिष्णुतामा जोड डेना उल्लेख बा ।

"पहिचान ओ सम्मानसहितके विकास" कनालक्ष्यसहित थारू भाषा, संस्कृति, कला ओ पर्वके संरक्षण तथा प्रवर्द्धन कैना प्रतिबद्धता व्यक्त करल बा । थारू सांस्कृतिक केन्द्र ओ संग्रहालय स्थापना, विकास प्रक्रियामा समान सहभागिता तथा सक्कु समुदायबीच सामाजिक सद्भाव सुदृढ कैना योजना प्रस्तुत करल बा । "स्वास्थ्य नागरिकके मौलिक अधिकार हो" कहटी चौधरीसे टीकापुर अस्पताल हे १०० शैय्यामे स्तरोन्नति कर्के विशेषज्ञ सेवा विस्तार कैनाघोषणा करले बटै ।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रके स्तरोन्नति, चिकित्सक ओ औषधि आपूर्ति सुनिश्चितता, मातृशिशु स्वास्थ्य सेवा सुदृढीकरण, विपन्न वर्गके लाग स्वास्थ्य बिमामे सहज पहुँच ओ महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहे थप प्रभावकारी बनैना नीति समेटल बा । सडक, सिँचाइ, ऊर्जा ओ सूचना प्रविधिमा विशेष जोड डेटी चौधरी टीकापुर-सनकट्टी, टीकापुर-जोशीपुर-भजनी तथा अन्य ग्रामीण सडक कालोपत्रे कैना प्रतिबद्धता जनैले बटै । सेती लोकमार्ग निर्माणमे तीव्रता, कर्णाली करिडोर विस्तार, जल यातायात ओ जल पर्यटन प्रवर्द्धन, तथा दीर्घकालमे टीकापुर क्षेत्रमे सुख्खा बन्दरगाह (ड्राइ पोर्ट) निर्माणके पहल कैना उल्लेख बा । साथै रानी-जमरा-कुलरिया सिँचाइ आयोजनासे उत्पादित विद्युतमे स्थानीयबासीके स्वामित्व सुनिश्चित कैना कहल बा ।

शिवत्वके खोजी

विचार

शिरीषबल्लभ प्रधान

शिवरात्रि हिन्दुहुकनके पर्व हो । खास कैके हिन्दुबाहुल्य देश नेपाल ओ भारतमे यी पर्व भव्य रूपमे मनाजाइठ । शिवरात्रि शिव ओ रात्रि दुई शब्दके सम्मिश्रणसे बनठ । शिव हिन्दुके मुख्य आराध्य देवता मानजाइठ । शिव शब्दसे चेतना ओ ज्ञानसे युक्त शिवतत्व जनाइठ । रात्रि शब्दसे अज्ञानरूपी अन्धकार जनाइठ । अइसिके शिवरात्रि शब्दसे ज्ञानसे प्रज्वलित रात्रि भकना बुझाइठ । शिवरात्रि ओहे रात्रि हो, जहाँ अज्ञानरूपी अन्धकारके अभाव हुइठ । काश्मीरी शैव मतके प्रखर विद्वान् लक्ष्मण जु कले फेन बटैं, शिवरात्रिके अर्थ श्वेत रात्रि अर्थात् ओज्रार रात्रि हो । शिवरात्रि ओहे रात्रि हो, जब भक्तहे शिवके आशीर्वाद प्राप्त हुइठ अर्थात् उउप्पर शिवके कृपा वा शक्ति प्राप्त हुइठ ।

यिहिनसे का बुझाइठ कहिके शिवरात्रि ओहे अवस्था हो, जहाँ ज्ञानसे अज्ञानरूपी अन्धकारके अन्त्य हुइल रहे अर्थात् ओइसिन रात्रि जो उज्ज्वल ओ प्रकाशवान् होए । सायद टबेमारे शिवरात्रिके अवसरमे आगी बरना प्रचलन चलल हुइ । सामान्य मनै यिहिनहे शिवजीहे जार हुइल ओरसे आगी तप्ना करलेसे फेन हुइ कलेसे वास्तविकता औरे बा । हिमालयमे बास करना शिवजीहे आगी बारे परना मेरिक जार हुइल हुइ कना सोच्न मूर्खता हुइ ।

काश्मीरी शैव मत अनुसार शिवके तीन शक्ति रहठः ज्ञान, इच्छा ओ क्रियाशक्तिह यिहिनहे त्रिका फेन कहिजाइठ । सामान्य मनै अर्थात् जीवमे ज्ञान, इच्छा ओ क्रिया तीनु विद्यमान टे हुइठ मने सीमित वा अल्प रूपमे । जब साधनाके बलसे मनै अपनमे निहित ज्ञान, इच्छा ओ क्रिया शक्तिहे अनन्त ओ असीमित बनाइठ, तब ऊ जीवसे शिव बनठ ।

त्रिका सिद्धान्त अन्तर्गत शिवहे तीन अवस्थामे जानजाइठ- पर, परापर ओ अपर, यिहिनहे घोर, घोरतरी ओ अघोर फेन कहिजाइठ । परसे परम् शिव अर्थात् परमात्मा जनाइठ कहिके परापरसे शक्ति जनाइठ कलेसे अपरसे जीव । सब मनैन्मे शिवतत्व विद्यमान् हुइठ मने ओकर पहिचान साधनासे किल करना सेक्जाइ ओ साधनाके अन्तिम विन्दुमे मनै परम् शिव साक्षात्कार करठ ।

शिव कटिकिल हम्रे हातमे त्रिशूल लेके, जटाधारी, बाघके छाला ओह्रल, शिरमे चन्द्रमे भिरल, गलामे सर्पके माला लगाइल, शरीरमे खरानी घसल ओ शिरसे अटुट गंगा बहल अचम्मलग्टिक प्राणीके कल्पना करठि । का शिव सच्मे ओइसिन अद्भूत प्राणी हुइहि टे ? वास्तवमे शिव कौनो मनै वा भीमकाय जीव नैहोके तत्व हो, सूक्ष्मसे फेन अति सूक्ष्म तत्व । काश्मीरी शैव मत अनुसार यी सृष्टिमे रहल ३६ मूल तत्वमध्ये शिव सबसे सूक्ष्म तत्व हो, यिहिनहे परम् शिव कहिजाइठ । पृथ्वी सबसे ठोस तत्व हो कलेसे आकरपाछे जल, अग्नि, वायु, आकाश कैके ३६ औं तत्व शिव तत्व हो ।

शिवके कपारमे डेखैना चन्द्रमासे कल्पनाशील मनके प्रतिनिधित्व करठ कलेसे अटुट ज्ञानके धारा गंगा हो । तीन मेरिक दुःख, आध्यात्मिक, आधिदैविक ओ आधि भौतिक दुःख, हरना हुइल ओरसे उहाँक हातमे सदा त्रिशूल रहठ ओ गलामे लगाइल सर्पके माला सजगता अर्थात् चेतनाके प्रतिनिधित्व करठ । शरीरमे पोटल खरानी संहारके प्रतीक हो, प्रलयकालमे विश्वब्रह्माण्डहे नष्ट कैके बाँकी रहल खरानीके लेप अपन शरीरमे लगाइल जस्टे ।

शिव वास्तवमे शुद्ध चेतना हो, अद्वैत वेदान्तके प्रणेता आदि शंकराचार्य कलैं । त्यागेपरना रहठ । ओम्ने दक्षप्रजापतिसे मनैन्मे हुइना अहंकारके प्रतिनिधित्व करठ । अहंकारसे मनै कैसिक पतनके मार्गओर डोऱ्याइठ कना पाठ उहिनसे सिखाइठ । कहिजाइठ, शिवसे पार्वतीहे योगके टमान आसनबारे ज्ञान डेहल रहेह जोन मत्स्येन्द्रनाथ ओ उहाँक शिष्य गोरखनाथसे सिकलपाछे मनैन्मे फैलल हो । उ कारण फेन शिवहे महायोगी कहल हो । अइसिके शिव ओ देवीबिच संवादके रूपमे कत्रा महत्वपूर्ण आध्यात्मिक ज्ञान हम्रे शास्त्रमे उल्लेख हुइल पाइ सेक्जाइ ।

शास्त्रमे कहल बा, शिवके कौनो स्वरूप नैहुएठ काहेकि उ सत्यस्वरूप हो, शुद्ध चैतन्य स्वरूप हो । ओइसिन रहल ओरसे फेन हम्रे अन्य देवताके जस्टे शिवके मूर्तिहे नैहोके शिवलिंगहे पूजा करठि । काहेकि उ अनन्त शक्तिके प्रतीक हो, अनन्त चेतनाके प्रतीक हो, सत्यस्वरूप हो । उ निराकार, अजन्मा, अमर, निर्गण ब्रहमस्वरूप रहल ओरसे ओकर कौनो रूप नैरहठ ओ हम्रे लिंग अर्थात् चिह्नके रूपमे ओकर उपासना करठि । शिवलिंग हुइल मन्दिरहे पूरे परिक्रमा नैकरजाइठ । ओकर आधा किल परिक्रमा करना चलन बा । शिवलिंगके दर्शन कैके आधा दायाँसे ओ आधा बायाँसे परिक्रमा करना प्रचलन बा । काहेकि जो अनन्त बा, ओकर कैसिक परिक्रमा करना सम्भव रहठ ? जेकर पूर्ण परिक्रमा करजाइठ, उ अनन्त नैरहठ, असीमित नैरहठ । हिन्दुहुक्रे साकार- सगुण, साकार- निर्गुण तथा निराकार- निर्गुण कैके टमान स्वरूपमे ईश्वरके उपासना करठैं । आध्यात्मिक सिँढीके प्रथम खुड्किलामे साकार ईश्वरके पूजा करजाइठ अर्थात् मूर्ति पूजा करजाइठ कलेसे ओकरपाछे क्रमैसे आध्यात्मिक यात्रामे आघे बह्रना क्रममे मूर्तिपाछे शिवलिंगके पूजा करजाइठ काहेकि लिंग कलेक ईश्वरके चिह्न वा संकेत किल होह उहिनसे अनन्त ब्रह्मके स्वरूप दर्साइठछ, लिंगपाछे ओमकारके उपासना करजाइठ । ओमकार शब्द ब्रह्म हो । अइसिके साधक स्थुलसे सूक्ष्मओर यात्रा आघे बह्रना क्रममे मूर्तिसे, शिवलिंग ओ ऊँ ओ अन्त्यमे निर्गुण, निराकार ब्रह्मके उपासना करठैं ।

ओस्टेक शक्ति अर्थात् देवी भर यी संसारहे चलायमान ढरना ऊर्जा हो । शिव कुछ फेन नैकरठैं, ऊ केवल साक्षी किल हो कलेसे सृष्टि, सञ्चालन ओ संहार सब करना शक्ति भर तिनु देवी हुइटैं ।

काश्मीरी शैवमत अनुसार शिवके पाँच क्रिया हुइल ओरसे कुहुँ कहुँ शिवहे पञ्चमुखीके रूपमे फेन उपासना करजाइठ । उ पाँच क्रिया हो: सृष्टि, स्थिति, प्रलय, तिरोभाव ओ अनुराग । शिव संसारके सृष्टि करठैं ओ पालना ओ अन्त्यमे संहार करठैं । तिरोभाव अन्तर्गत शिवसे अविद्याके माध्यमसे अपन असली स्वरूप लुकैठैं ओ अनुग्रहसे भक्तहे अपन असली स्वरूपके दर्शन डेहठ ।

शिव ओ पार्वतीके अनेकन कथा, किंवदन्ती हिन्दु शास्त्रमे उपलब्ध बा । स्वस्थानी व्रतकथामे फेन शिव ओ पार्वतीके लीलाके वर्णन बा । महादेवके शक्तिहे पहिचान करे नैसेक्के उहाँहे अवहेलना करना दक्ष प्रजापतिके यज्ञ किल भंग नैहोके उ अपन शरीरसमेत

शास्त्रमे कहल बा, शिवके कौनो स्वरूप नैहुएठ काहेकि उ सत्यस्वरूप हो, शुद्ध चैतन्य स्वरूप हो । ओइसिन रहल ओरसे फेन हम्रे अन्य देवताके जस्टे शिवके मूर्तिहे नैहोके शिवलिंगहे पूजा करठि । काहेकि उ अनन्त शक्तिके प्रतीक हो, अनन्त चेतनाके प्रतीक हो, सत्यस्वरूप हो । उ निराकार, अजन्मा, अमर, निर्गण ब्रह्मस्वरूप रहल ओरसे ओकर कौनो रूप नैरहठ ओ हम्रे लिंग अर्थात् चिह्नके रूपमे ओकर उपासना करठि । शिवलिंग हुइल मन्दिरहे पूरे परिक्रमा नैकरजाइठ । ओकर आधा किल परिक्रमा करना चलन बा । शिवलिंगके दर्शन कैके आधा दायाँसे ओ आधा बायाँसे परिक्रमा करना प्रचलन बा । काहेकि जो अनन्त बा, ओकर कैसिक परिक्रमा करना सम्भव रहठ ? जेकर पूर्ण परिक्रमा करजाइठ, उ अनन्त नैरहठ, असीमित नैरहठ ।

हिन्दुहुक्रे साकार- सगुण, साकार- निर्गुण तथा निराकार- निर्गुण कैके टमान स्वरूपमे ईश्वरके उपासना करठैं ।

आध्यात्मिक सिँढीके प्रथम खुड्किलामे साकार ईश्वरके पूजा करजाइठ अर्थात् मूर्ति पूजा करजाइठ कलेसे ओकरपाछे क्रमैसे आध्यात्मिक यात्रामे आघे बह्रना क्रममे मूर्तिपाछे शिवलिंगके पूजा करजाइठ काहेकि लिंग कलेक ईश्वरके चिह्न वा संकेत किल होह उहिनसे अनन्त ब्रह्मके स्वरूप दर्साइठछ, लिंगपाछे ओमकारके उपासना करजाइठ । ओमकार शब्द ब्रह्म हो । अइसिके साधक स्थुलसे सूक्ष्मओर यात्रा आघे बह्रना क्रममे मूर्तिसे, शिवलिंग ओ ऊँ ओ अन्त्यमे निर्गुण, निराकार ब्रह्मके उपासना करठैं ।

माण्डुक्योपनिषद्म कहल फेन बा, ओम् मे निहित अ, उ ओ म पाछे अइना मात्रा रहित, स्वररहित वस्तु वास्तवमे ब्रह्म हो । ओम्ने कहल बा, अ, उ ओ म पाछे पुनः अ अइना आघेक शब्दरहित, मात्रारहित मौनता ब्रह्म हो । अइसिके दुई श्वासके बिचके शून्य अवस्था, दुई शब्दबिचके ध्वनिरहित मौनके अवस्था ब्रह्म अर्थात् अन्तिम सत्य हो ।

श्वेताश्वरोपनिषद्मे महेश्वरके बारेमे अइसिके वर्णन करल बा, प्रकृतिहे माया जैना ओ महेश्वरहे मायावी । ओहे प्रकृतिरूपी मायासे यी कार्यकारण स्वरूप सक्कु चराचर जगत् व्याप्त बा । अर्थात् तिनु महेश्वर अपन माया शक्तिसे यी सारा जगत्के सृष्टि करल हो (श्वेत ४.१०) ।

औरे श्लोकमे कहल बा, रुद्र एक बा । उ कारण ब्रह्मवेत्ता उ रुद्रबाहेक औरे कौनो बाटके अपेक्षा नैकरठ । उहिनसे अपन टमान शक्तिके माध्यमसे यी लोकमे शासन करठ ओ उ समस्त जीवभित्रे विद्यमान बा । उहिनसे सक्कु लोकके रचना कैके ओकर रक्षक होके प्रलयकालमे सक्कु लोकहे अपनभित्तर संकुचित करठ । (श्वेत.३.२)

शिवहे बाहिर मन्दिरमे नैहोके आत्मामे दर्शन करठ हो । शिवके बाहिरी रूप टे संकेत किल हो । श्वेताश्वर उपनिषद्के भाष्यमे आदि शंकराचार्य लेख्ठैं, "योगीहुक्रे शिवहे आत्मामे दर्शन करठैं प्रतिमामे नाइ । यिहिनसे आत्मामे स्थित शिवहे बेवास्ता कैके बाह्य शिवके पूजा करठैं, उ मानौं हातमे रहल भातके गाँस भुइँमे फेक्के केवल हात किल चट्ठैं ।" शंकराचार्यके अनुसार आत्मस्थ तीर्थहे त्यागके बाह्य तीर्थमे जैना कलेक हातमे रहल हिरा फ्याँकके बाहिर रहल काँच खोज्नसरह हो । तसर्थ यी महाशिवरात्रिसे हम्रिहिनहे अपनभित्तर रहल शुद्ध चैतन्य स्वरूप शिवके खोजी करना प्रेरणा डिट । संसाररूपी अविद्यास्वरूप रात्रिमे शिवरूपी ज्ञानके ज्योति जलैना प्रेरित करैं । जब हमार हृदय मलरहित शान्त ओ शुद्ध हुइ, उ अवस्थामे अवश्य फेन शिवत्वके प्राप्ति हुइठ ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

रोजगारी डेटि हातेकागज उद्योग

घोराही, ३ फागुन । दाङके देउखुरीमे रहल राप्ती नेपाली हातेकागज उद्योगसे स्थानीय कच्चा पदार्थके उपयोग करटि १५० से ढेर स्थानीयहे रोजगारी डेहल बा । आर्थिक संकट कारण देखैटि जिल्लामे साना तथा घरेलु उद्योग सञ्चालनमे चुनौती बनल समयमे राप्ती गाउँपालिका-४, पिपरखुटीमे २०७९ से सञ्चालनमे आइल उ उद्योगमे प्रत्यक्ष रूपमे दैनिक २४ जाने ओ १५० स्थानीय बाबियो संकलन कैके आम्दानीमे जोरल बटैं ।

स्थानीय सामुदायिक वनसे बाबियो संकलन कैके वार्षिक सवाकरोड रुपियाँके नेपाली हातेकागज उत्पादन करटि आइल उद्योगके सञ्चालक डम्बरबहादुर जिसी बटैलैं । उद्योगसे मासिक १० लाख रुपियाँके कागज दाङसहित बुटवल, काठमाडौँ, पोखरा, वीरगन्जसँगे पश्चिम नेपालके टमान जिल्लामे बिक्री करटि आइल बा । उत्पादित कागज बिक्रीमे समस्या नैरहल जानकारी डेटि जिसी कलैं, "कागज बिक्रीमे समस्या नैहो । दाङसे बाहिरी जिल्लामे गैल बा ।" उहाँक अनुसार देउखुरीके स्थानीय नौ ठो सामुदायिक वनसे वार्षिक २० लाख मूल्य बराबरके बाबियो संकलन करना करल बा ।

अस्टेक उद्योगके लाग चाहना अन्य कच्चा पदार्थके रूपमे रहल लोक्ता पाँचथर ओ ताप्लेजुङसे तथा रासायनिक पदार्थ भर भैरहवासे नल्ल करल उहाँ बटैलैं । दाङमे उत्पादन नैहुइना कच्चा पदार्थके लाग वार्षिक ३० लाख रुपियाँ खर्च हुइना करल उहाँक कहाइ बा । दैनिक सातसे आठ सय कोरी नेपाली कागज उत्पादन करना उद्योगले पाँच मेरिक कागज उत्पादन करटि आइल बा । उद्योगसे उत्पादन हुइल कागज प्रतिकोरी एक हजार छ सयसे दुई हजार दुई सय रुपियाँके दरसे बिक्री हुइटिरहल सञ्चालक जिसी बटैलैं ।

उहाँक अनुसार ४० लाख रुपियाँके लगानीमे सुरु करल उद्योगमे अब्बे एक करोड रुपियाँसे ढेरके लगानी पुगल बा । उद्योगमे आठ ठो मेसिन सञ्चालनमे बा । उद्योगके क्षमता बह्दैना बाबियो पकैना मेसिन ओ थप भ्याट मेसिनके आवश्यकता रहल सञ्चालकके कहाइ बा ।

जिसी उद्योगके क्षमता वृद्धि करना योजना रलेसे फेन कहुँसे सहयोग पाइ नैसेक्ना गुनासो करलैं । स्वास्थ्य चौकीके जागिर छोरके कागज उत्पादन करना उद्योग सञ्चालन करनासे जिसी लुम्बिनी प्रदेश सरकारहे अनुरोध करलेसे फेन सहयोग नैपाइल बटैलैं । जिसीके अनुसार उद्योगमे घरपरिवार संलग्न बा । उहाँक अनुसार दाङके १० स्थानीय तहमध्ये राप्ती गाउँपालिकाबाहेक औरेहे उद्योगसे कागज नैकिन्ठैं । दाङके सरकारी कार्यालयसे किल नेपाली कागज किन्ना स्थानीय उद्यम प्रवर्धनमे भारी सहयोग पुग राप्ती गाउँपालिका अध्यक्ष प्रकाश विष्ट बटैलैं ।

विस्थापन ओ अतिक्रमणबीचके...

३८ हजार ४० हेक्टर पुगल उल्लेख करल बा । कैलालीसँगे डडेलधुरा ओ कञ्चनपुर फेन ढेर वन क्षेत्र अतिक्रमणमे परल जिल्लामे परठ् । डडेलधुरामे हालसम १५ हजार १२० हेक्टर ओ कञ्चनपुरमे नौ हजार ८५९ हेक्टर वनक्षेत्र अतिक्रमणमे परल तथ्यांक रहल बा ।

टमान सामुदायिक वन अतिक्रमणके चपेटामे परटी रहल बावै । अतिक्रमण हटैना प्रयास नैकरल फेन नैहो । अतिक्रमण हटैलेसे फेन पुन अतिक्रमण हुइना करल बर्दगोरीया गाउँपालिका-६ स्थित मद्रेनीया सामुदायिक वनके अध्यक्ष हरिराम डगौरा बटैलै । उहाँ कहलै, 'सामुदायिक वनके तीन बिगाहा जमिन अतिक्रमणमे रहल बा । स्थानीयसे अतिक्रमण कैके लगाइल बाली आघेकचो हम्रे काटके अतिक्रमित जमिन खाली कराइल रही मने पुनः अतिक्रमण होसेकल बा । हम्रे घरी घरी प्रयास कैठी, सचेत करैठी, मने स्थानीय फेनसे अतिक्रमण करे नैछोरठै ।' ओहकान अनुसार, अइसीन दोहरिना अतिक्रमणसे सामुदायिक वन व्यवस्थापनमे चुनौती थपल बा ओ वन संरक्षणके प्रयासहे निरन्तरता डेना कठिन बनैले बा ।

कैलारी गाउँपालिका-२ स्थित जनहित सामुदायिक वनके अध्यक्ष वेदप्रसाद चौधरीके अनुसार बस्ती लग्गेक वन क्षेत्रमे स्थानीय जमिन विस्तार कैटी गाईबस्तु बँध्ना, काठी, पैंरा ढर्ना, केरा लगैना, छाप्रा बनैना जैसिन गतिविधि बह्दके अतिक्रमण फैलल् बा । 'हमार बन्वामे फेन अतिक्रमण हुइल रहे,' उहाँ कहलै, 'समुदायके सक्रियतामे हटैली ।' इहीसे डेखाइठ् सचेतना ओ स्थानीय सहभागिता हुइलेसे अतिक्रमण नियन्त्रण सम्भव बा, मने उ सर्वत्र लाग् हुइ सेकल नैहो ।

नीति, राजनीति ओ कार्यान्वयनबीच अल्झल वन संरक्षण

जनसंख्या वृद्धि, पहाडसे तराई झर्ना प्रवृत्ति, बह्दटी रहल गरिबी ओ रोजगारीके अभाव वन अतिक्रमणके कारण रहल डिभिजन वन कार्यालय पहलमानपुरके डिभिजन वन अधिकृत जनक पाध्या बटैलै । ओहकान अनुसार व्यक्तिगत लाभके लाग तथा मुक्त कमैया, सुकुम्वासी ओ बारह्पीडितके नाउँमे वनक्षेत्र कब्जा कैना चलन व्यापक बन्टी गैल बा । 'भू-माफियासे कृत्रिम सुकुम्बासी सिर्जना कैके अतिक्रमण बह्दैटी रहल बटै,' पाध्या कहलै, 'कानुन टे बा, मने कार्यान्वयन कमजोर बा । राजनीतिक दबाब बरवार चुनौती हो ।'

भोट बैंकके राजनीति ओ दलगत स्वार्थसे अतिक्रमण नियन्त्रणमे समस्या हुइना करल उहाँके कहाइ रहल बा । व्यक्तिगत अतिक्रमण किल नैहो, सरकारी बजेटसे निर्माण हुइना सडक, खानेपानी, मठ-मन्दिर, विद्यालय, स्वास्थ्य चौकी, वडा कार्यालय, खेलमैदान ओ टमान संघसंस्थाके भवनसमेत प्रायः वन क्षेत्रमे निर्माण हुइटी रहल ओरसे अतिक्रमणहे थप बल पुगल पाध्या बटैलै ।

वन अतिक्रमण बह्दटी जाके वन क्षेत्र खण्डित हुइटी गैल बा । ओकर प्रत्यक्ष प्रभाव वन्यजन्तुके वासस्थानमे परल डिभिजन वन कार्यालय कैलालीके वरिष्ठ डिभिजनल वन अधिकृत रामबिचारी ठाकुर बटैलै । उहाँ कहलै, 'वन क्षेत्र खण्डित हुइलपाछे वन्यजन्तुके वासस्थान नष्ट हुइटी गैल बा ओ उहीसे मानव-वन्यजन्तु द्वन्द्व फेन बह्दटी रहल बा । यदि अस्टे अवस्था निरन्तर रही कलेसे ढिरेसे वन्यजन्तु लोप हुइना सम्भावना फेन बा ।'

वन अतिक्रमण नियन्त्रणके लाग सबसे पहिले जनचेतना जगैना नै मुख्य आवश्यकता हो । साथे, निगरानी कैना निकाय कडा नीति ओ प्रभावकारी कारबाही अपनाइ पर्ना उहाँ जोड डेलै । वन अतिक्रमण केबल व्यक्तिगत समस्या नैहोके संगठित अपराधके रूप रहल सुदूरपश्चिम प्रदेश वन निर्देशनालयके निर्देशक हेमराज विष्ट बटैलै ।

स्थानीय तहसे फेन कबुकाल वन अतिक्रमण कैके संरचना निर्माण करटी रहल डेखजाइठ् । 'स्थानीय तह प्रत्यक्ष रूपमे समुदायसँग जोरजैना सरकारके निकाय रहल ओरसे वन अतिक्रमण रोक्न उपयुक्त भूमिका निर्वाह कैना आवश्यक रहल विष्ट बटैलै । स्थानीय तहसँग समन्वय कैना जरुरी बा, मने अब्बे जटरा सहयोग करे पर्ना हो, ओटरा पर्याप्त हुइल नैहो,' निर्देशक विष्ट कहलै । विष्ट आघे कहलै, 'अब्बे किल नैहो दशकौँके वन अतिक्रमण हो सम्बन्धित निकायके कमी कमजोरीके कारण कानुन रटी रटी फेन प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयन हुइ सेकल नैहो ।'

वन अतिक्रमणके दर बह्दटी जाके नियन्त्रणके लाग वन कार्यालयसे टमान प्रयास करटी रहल बावै । सुदूरपश्चिम प्रदेश वन निर्देशनालय ओ जिल्लास्थित डिभिजन तथा सब-डिभिजन वन कार्यालय सचेतना कार्यक्रम, सरोकारवाला निकायसँग समन्वय बैठक, संयुक्त अनुगमन ओ अतिक्रमित क्षेत्र खाली करैना काम सञ्चालन कैटी आइल बावै । आघेक आर्थिक बरसमे किल कैलाली जिल्लामे १३५ हेक्टर वनक्षेत्र अतिक्रमणमुक्त करल तथ्यांक बा । गैल सावन महिनामे गौरीगंगा नगरपालिका-११ स्थित सरस्वती सामुदायिक वनके ३.९ हेक्टर अतिक्रमित क्षेत्र खाली कराके तारबार ओ वृक्षारोपण करल रहे ।

डिभिजन वन कार्यालय कैलालीके वरिष्ठ वन अधिकृत जीवक्ष यादवके अनुसार अतिक्रमण हुइल ठाउँ खाली कराके तारबार वा ट्रेन्च निर्माण कैना ओ खाली कराइल क्षेत्रमे वृक्षारोपण कैना काम नियमित हुइटी रहल बा । 'पुरान अतिक्रमण हटैना समस्या बा,' उहाँ कहलै, 'मने नयाँ अतिक्रमण तुरुन्तै हटैना प्रयास करटी रहल बटी ।'

सरकारसे वन क्षेत्रमे बह्दटी रहल मानवीय चाप ओ अतिक्रमण रोक्न तथा अतिक्रमित भूमिहे पुनः वनके रूपमे कायम कैना "वन अतिक्रमण नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन रणनीति, २०६८" लागू करले बा । इ रणनीतिसे मुलुकके ४० प्रतिशत भूभाग वनसे छोप्ना राष्ट्रिय लक्ष्यहे टेवा पुगैना उद्देश्य राखल बा । भूमिहीन, सुकुम्बासी, बाढीपीडित, आरक्षपीडित ओ मुक्त कमैयासे हुइल अतिक्रमणहे विशेष प्राथमिकतामे रख्टी उहाँहुक्नहे वनके जग्गा स्वामित्व नैडेके वैकल्पिक वसोवास ओ जीविकोपार्जनके व्यवस्था कैना नीति लेहल बा ।

रणनीतिले अतिक्रमण हटाइल क्षेत्रमे समूहगत व्यवस्थापन कैके कृषि वन प्रणालीअन्तर्गत कबुलियती वनके रूपमे प्रयोग करे डेना लचिलो व्यवस्था फेन करल बा । मने कौनो फेन हालतमे वन क्षेत्र व्यक्तिगत वा संस्थागत नाउँमे दर्ता नैकरजैना स्पष्ट व्यवस्था बा । रणनीति कार्यान्वयनके लाग जिल्ला स्तरमे प्रमुख जिल्ला अधिकारीके नेतृत्वमे जिल्ला अतिक्रमण नियन्त्रण संयन्त्र गठन कैना, अतिक्रमण प्रोत्साहन कैना व्यक्ति वा संघसंस्थाहे कालोसूचीमे रख्ना ओ सरकारी सुविधा रोक्न जैसिन कडा प्रावधान फेन बावै ।

अस्टेके वन ऐन २०७६ से राष्ट्रिय वन तथा संरक्षित क्षेत्रमे अतिक्रमणहे गम्भीर अपराध मानल बा । दफा ४९ अनुसार घर, टहरा, खेती, आवादी बसोबास वा वनके सिमाना परिवर्तनजैसिन अतिक्रमणजन्य कार्यमे पाँच बरसमस कैद वा एक लाख रुपैयाँसम जरिवाना वा डुनु सजाय हुइ सेक्ना व्यवस्था बा । यद्यपि नीति, रणनीति ओ कानुनके प्रावधान रटी रटी फेन विस्थापितके वैकल्पिक बसोबास सुनिश्चित नैहुइना, राजनीतिक स्वार्थ हाबी हुइना ओ भूमाफियाके चलखेल रोके नैसेक्ना कारण वन अतिक्रमणके जोखिम ओ दर बर्सेनि बह्दटी गैल बा ।

DAILO TRAVELS PVT. LTD.
DHANGADHI, KAILALI
नयाँ गाडी दर्ताको लागि इन्ट्री खोलिएको सम्बन्धी सूचना
प्रस्तुत विषयमा हाम्रो यस दैलो ट्राभल्स प्रालिमा बेलौरी, धनगढीदेखि विभिन्न स्थानसम्म चल्नको लागि तपसिल बमोजिमको नयाँ गाडी दर्ता गर्नका लागि इन्ट्रि खोलिएको व्यहोरा सबैमा जानकारी गराइन्छ ।
तपसिल
गाडीको नाम : SRM 11 seater
Range : Minimum 220 km in full charge
माग गाडी संख्या : १५ वटा (Only New)
Contact : 9764417596, 9805612419,9800656404,9811694801

अन्तर्राष्ट्रिय

चिया उद्योगहे आधुनिक ओ प्रतिस्पर्धी बनैना चीनके नयाँ रणनीति

काठमाडौँ, ३ फागुन । चीन २०३० सम अपन चिया उद्योगहे कुल १.५ लाख करोड युआनके अर्थतन्त्रमे रूपान्तरण करना लक्ष्य बनैले बा । यकर लाग देशके पाँच सरकारी विभागसे नयाँ मार्गनिर्देशन जारी करले बा ।

यी योजना अनुसार चिया उद्योगके गुणस्तर ओ दक्षता सुधार करना ओ उद्योगहे आधुनिक, वातावरणमैत्री ओ अन्तर्राष्ट्रिय रूपमे प्रतिस्पर्धी बनैना प्रयास करल बा । २०२८ सम प्रमुख चिया उत्पादन क्षेत्रमे निरन्तर प्रगति ओ गुणस्तर वृद्धिहे सुनिश्चित करल बा । यी अन्तर्गत उत्पादन शृंखलामे आधुनिक प्रविधि प्रयोग, विविध उत्पादन विस्तार ओ उपभोक्ताहे और मजा सेवा पुगैना योजना बनाइल बा ।

मार्ग निर्देशनसे विज्ञान ओ प्रविधि नवप्रवर्तनहे बलगर बनैना, बजारहे प्रोत्साहन डेना ओ विशेष उद्योग क्लस्टरके विकास आघे बह्दैना जोड डेहल बा । कच्चा चियाहे घरेलु सामग्री, दैनिक उपभोगके उत्पादन, सौन्दर्य प्रसाधन ओ स्वास्थ्य क्षेत्रमे प्रयोग बह्दैना योजना फेन बनाइल बा ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !
हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन
धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग
उपचार हुने रोगहरू
- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार
ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म
धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

जिल्ला प्रहरी कार्यालयसे माघके विवरण सार्वजनिक

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ फागुन । जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे माघ महिनाके विवरण सार्वजनिक करले बा ।

जिल्लामे हुइल घटनाहे समेट तयार पारल प्रतिवेदन जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे सार्वजनिक करल हो । एक महिनामे अवधिमे मुख्य मुख्य घटनामे कर्तव्य ज्यान १, ज्यान मर्ना उद्योग २, फाँसी लागके आत्महत्या १४, लागु औषध ३२, बैकिङ कसुर १९ करके ६८ घटना सार्वजनिक करल बा ।

अपराध अनुसन्धान तथा नियन्त्रण ओर दर्ता हुइल घटनामे ज्यान सम्बन्धी १९, आत्महत्या १५, चोरी सम्बन्धी ४, संगठित तथा आर्थिक अपराध ५७, सामाजिक अपराध ६, महिला तथा वालबालिका सम्बन्धी अपराध ९, सवारी ज्यान ९ ओ अन्य ३ करके १२२ ठो घटना दर्ता हुइल जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीके प्रहरी नायव उपरीक्षक प्रवक्ता/सूचना अधिकारी योगेन्द्र तिमिल्सना जनैलै ।

जघन्य तथा गम्भीर अपराधओर बैकिङ कसुरके १९ ठो, महिला वालबालिका तथा जेष्ठ नागरिकसंग सम्बन्धित ९ करके २९ ठो घटनाके दर्ता हुइल बा ।

माघ महिनामे चालु मुद्दाके प्रतिवादी पक्राउ संख्या १०० रहल बा कलेसे अभिन २१ जाने पक्राउ पर्ना बाँकी रहल बटै । सार्वजनिक चासो रहल पेण्डिङ मुद्दा सफल अनुसन्धानओर जम्मा पेण्डिङ मुद्दा १३४ मे ६ ठो फछ्यौट हुइल बा ।

फैसला कार्यान्वयनमे ३४ जाने पक्राउ, घरेलु हिंसा ओर ८ ठो उजुरी परलमे सक्कु मिलापत्र हुइल बा । यी महिनामे महिला, वालबालिका, जेष्ठ नागरिक ५८ जाने हेराइलमे ५७ जाने फेला परल मने एक जाने बालिका भर फेला नैपरल प्रहरी जनैले बा । एक महिनामे पीडित हुइल संख्या ८, ठाडो उजुरी २२४ ठो परलमे सक्कु फछ्यौट हुइल बा ।

लागु औषधओर मुद्दा दर्ता ३२ रहलमे एक महिला ओ ३८ जाने पुरुष पक्राउ परलै कलेसे ४१ ग्राम ७४० मिलिग्राम खैरो हेरोइन, टमान मेरिक लागु औषध टयावलेट ९३३ ठो बरामद करल बा । आत्महत्या ओर कुल १५ मन्से २ पुरुष, ९ महिला ओ ४ बालिका रहल बटै ।

सवारी दुर्घटना ५१ ठो हुइलमे ८ जाने अकालमे ज्यान गुमैलै । ६९ जाने घाहिल, ७७ जानेक प्रहरीसे उद्धार करल रहे । यी अवधिमे १३ सय ७९ ठो सवारी कार्वाहीमे परेबेर ११ लाख ५२ हजार ५ सय रुप्या राजश्वफे संकलन हुइल बा ।

भन्सार छलि करके ल्यान सामान बरामद करेबेर ४४ लाख १ हजार ६४० रुप्या राजश्व संकलन हुइल बा ।

विपदओर १४ ठो घटना हुईबेर २ घाहिल, दुई जानेक उद्धार, २ लाख ३५ हजार क्षति हुइल रहे । यी अवधिमे १०० लिटर डारु बराबद करके नष्ट, प्राकृतिक सम्पदा दोहन करुइया ११ सवारी साधान नियन्त्रणमे लेहे एक लाख ८४ हजार राजश्व संकलन करल बा ।

सुन्तलासे कृषकहे मनग्य आम्दानी

बाजुरा, ३ फागुन । बाजुराके गौमूल गाउँपालिका–४ निवासी पारू रोकाया सुन्तला खेतीसे मनग्य आम्दानी कैटी आइल बटै ।

२०७४ सालमे उहाँ गाउँमे अन्नबाली लगैना सात रोपनी जमिनमे सुन्तला खेती करल रहिट । २०८० सालसे उ सुन्तला फर्ना सुरु करल । अब्बे उहीहे बिक्री कैके उहाँ मनग्य आम्दानी करटी रहल बटै ।

"गाउँमे ढेर जमिन बा । मै उ जमिनमे मजा मेहेनत कैके अन्बाली लगैना करल रहुँ । उहीसे महिन खैना समेत नैपुगल । ओकरपाछे सक्कु जमिनमे सुन्तला खेती करलपाछे अब्बे मजा कमाई हुइना करल बा" गौमूल गाउँपालिका–४, के विजय ढुङ्गाके किसान पारू रोकाया बटैली ।

उहाँ कहली, "अन्नबाली लगैलेसे खाइ नैपुग्ना ठाउँमे अठबे सुन्तला खेतीसे परिवार पर्ना सहज हुइल बा । इहे सुन्तला बिक्री कैके मोर छावा छाइहे समेत उच्च शिक्षामे पहैटी रहल बटु ।"

'२०७४ सालमे झन्डै पाँच सात रोपनी जमिनमे सुन्तला खेती करल रहु । गाउँमे रहल पाखो जमिनमे अन्बाली लगाइबर उत्पादन मजा नैहुइलपाछे सक्कु जमिनमे सुन्तला खेती सुरु करल हुइटु,' उहाँ कहली ।

गैल बरस गाउँमे सडक नैपुगल ओरसे मै उ सुन्तला समयमे मार्तडी पुगाइ नैसेकल उहाँ बटैली । इ बेला गाउँमे सडक पुगलपाछे अब्बे सुन्तला समयमे मार्तडी बजारमे लानके बिक्री करे लागल बटु, उहाँ कहली ।

गाउँमे उत्पादन करल अर्गानिक सुन्तला हुइल ओरसे इ बेला मोर सुन्तला मजासे बिक्री हुइना करल बा । "गैल बरस ठोरचे ढिला लानल रहुँ । टौन फेन दुई–चार लाख रुपियाँ कमाइ हुइल रहे" उहाँ थप्ली, "अब्बे समयमे सुन्तला बजारमे लन्ले बटु । इ बेला सुन्तला बिक्री हुइना हो कलेसे उहीसे महिन इ बरस पाँचसे छ लाखसे ढेर रुपियाँ कमाइ हुइ ।"

हिमाली, स्वामीकार्तिक खापर, जगन्नाथ, बुढीनन्दा, बडीमालिका, गौमूल, त्रिवेणी, बुढीगंगा, त्रिवेणी ओ छेडेदह लगायत पालिकामे मजा सुन्तला उत्पादन हुइना करल बा । बाजुरामे उत्पादन करल सुन्तलाहे बजारीकरण कैना कृषि ज्ञान केन्द्र बाजुरासे ढुवानी अनुदानके व्यवस्था मिलैटी आइल कृषि ज्ञान केन्द्र बाजुराके प्रमुख जसिराम साहनी बटैलै ।

घरदैलोमे जनताके समस्या बुझ्टी उम्मेदवार चौधरी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३ फागुन । नेपाली कम्युनिस्ट पार्टीके नेता तथा कैलाली क्षेत्र नम्बर ३ के उम्मेदवार वीरमान चौधरी निर्वाचन लक्षित घरदैलो अभियानहे तीव्रता डेले बटै ।

अभियानअन्तर्गत उहाँ टमान टोल तथा बस्तीमे पुगके स्थानीय बासिन्दासँग प्रत्यक्ष भेटघाट कैटी ओइनके समस्या, गुनासा ओ सुझाव संकलन करटी रहल बटै ।

घरदैलो कार्यक्रमके क्रममे चौधरी शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक पूर्वाधार, रोजगारी ओ कृषि क्षेत्रके समस्याबारे चासो डेटी समाधानके लाग प्रतिवद्धता जनैले बटै ।

स्थानीयहुक्रे विकास, सिंचाइ, तटबन्ध, युवाहे रोजगारी सिर्जना लगायतके माग रख्ना करल बटै ।

उम्मेदवार चौधरी अपने जनताके घरदैलोमे पुगके प्रत्यक्ष रूपमे समस्या बुझ्टी समाधानके लाग प्रतिबद्ध रहल बटै । "जनताके आवश्यकता ओ अपेक्षा बुझके योजना बनैबु । उ क्षेत्रके समग्र विकास नै मोर मुख्य लक्ष्य हो," उहाँ कहलै । उहाँ आपन निर्वाचन क्षेत्रके योजना प्राथमिकतामे राखके काम कैना बटैलै ।

चिसो मौसममा हुने स्वास्थ्य समस्याबाट बचौं।

- जाडो मौसममा शितलहर, हिमपात, हुस्सु तथा कुहिरो लाग्न सक्ने हुँदा अत्यधिक चिसो हुन सक्छ।
- चिसोको कारण प्रदूषण बढ्ने गर्छ।
- चिसो तथा प्रदूषणको कारण रुघा, खोकी, ज्वरो, सास फेर्न गाह्रो हुने तथा दम बढ्ने समस्या हुन सक्छ।
- चिसो तथा प्रदूषणले मुटु, फोक्सो, मस्तिष्कलगायतका अङ्गमा गम्भीर असर पुग्न सक्छ।
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा, गर्भवती महिला तथा दमका विरामीलाई गम्भीर असर पार्न सक्ने हुँदा धुलो, धुँवा तथा चिसोबाट बचौं र बचाऔं।
- सकेसम्म घरभित्रै बसौं, निस्कनैपर्ने भए न्यानो कपडा लगाएरमात्र निस्कौं।

कुनै समस्या परे चिकित्सकसंग परामर्श गरौं।

कैलारी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

हसुलिया, कैलाली

निर्वाचनको समयमा कर्मचारीले पालना गर्नुपर्ने आचरण

- कुनै राजनीतिक दल वा उम्मेदवारको पक्ष वा विपक्षमा कुनै कार्य गर्नु/गराउनु, प्रचारप्रसारमा संलग्न हुनु वा प्रचारप्रसार गर्नु हुँदैन।
- कुनै राजनीतिक दल वा उम्मेदवारलाई कार्यालय वा आफ्नो भवन, सवारी साधन वा अन्य सामग्री प्रयोग गर्न दिनु हुँदैन।
- निर्वाचनलाई प्रतिकूल प्रभाव पार्ने विषयमा कृत्रिम बौद्धिकता (आर्टिफिसियल इन्टिलिजेन्स-एआई) को प्रयोग गरी वा नगरी सामाजिक सञ्जालमा पोष्ट, रिपोष्ट, शेयर, कमेन्ट वा प्रतिकमेन्ट, लाइभ स्ट्रिमिङ, ट्याग वा मेन्सनलगायतका कार्य गर्नु/गराउनु हुँदैन।
- निर्वाचन प्रयोजनका लागि सम्प्रेषण गर्नुपर्ने सूचनाबाहेक अन्य कुनै प्रकारका आफूलाई प्राप्त जानकारी कुनै राजनीतिक दल वा उम्मेदवार वा अनधिकृत व्यक्तिलाई दिनु हुँदैन।
- निर्वाचनसम्बन्धी कार्य गर्दा गराउँदा कसैको पक्ष वा विपक्ष लिनु हुँदैन।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

चिसो मौसममा हुने स्वास्थ्य समस्याबाट बचौं।

जाडो तथा चिसोको समयमा:

- मौसमी रुघाखोकी, भाईरल ज्वरो, छातीको समस्या, दम, निमोनिया, झाडापखला, छाला सुख्खा हुने, जोर्नी दुखाई, पिनास, टन्सिल, हृदयघात लगायतका स्वास्थ्य समस्या देखा पर्न सक्छन् ।
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा तथा दीर्घरोगीहरू बढी प्रभावित हुन सक्छन् ।
- चिसो मौसममा बाक्लो र न्यानो कपडा लगाऔं ।
- तातो, पोषिलो र झोलिलो खानेकुरा खाऔं र खुवाऔं ।
- शारीरिक व्यायाम गरौं, धुम्रपान/मद्यपान नगरौं ।
- घर तथा कोठा न्यानो बनाऔं ।
- नियमित घाम ताप्ने गरौं ।

स्वास्थ्यमा समस्या देखिए चिकित्सकको परामर्श लिऔं ।

गौरीगंगा नगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय

चौमाला, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत

MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304

आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९